* M B C - 1 6 0 1 0 3 0 3 0 1 0 4 0 8 0 1 - 1 1 5 0 - 2 *

MBC-1601030301040801 Seat No. ________

B. A. (Sem. IV) (CBCS) (W.E.F.-2016) Examination

March / April - 2018

Hindi : Paper-VIII

(आधुनिक हिन्दी छायावादोत्तर काव्य : छायावादोत्तर काव्य वैभव)

(Elective-2) (New Course)

Time : $2\frac{1}{2}$ Hours] [Total Marks : **70**

सूचना :

(१) सभी प्रश्नों के अंक दाहिनी ओर निर्दिष्ट हैं ।

(२) सभी प्रश्न अनिवार्य है ।

१ भावपक्ष एवं कलापक्ष की दृष्टि से 'मधुशाला' काव्य की समीक्षा कीजिए । १४

अथवा

१ हरिवंशराय बच्चन के जीवन–परिचय पर प्रकाश डालते हुए उनके रचना संसार का परिचय दीजिए । १४

२ अज्ञेयजी का संक्षिप्त परिचय देते हुए 'नदी के द्वीप' काव्य का भावार्थ लिखिए । १४

अथवा

२ 'अज्ञेय का काव्य व्यक्तिगत धरातल पर अवस्थित होते हुए भी उसमें समाज–सापेक्षता दृष्टिगत होती है ।' – अज्ञेयजी की पठित कविताओं के आधार पर इस कथन की समीक्षा कीजिए । १४

३ जनवादी कवि नागार्जुन के व्यक्तित्व एवं कृतित्व का परिचय दीजिए । १४

अथवा

३ 'अकाल और उसके बाद' काव्य का केन्द्रीयभाव स्पष्ट करते हुए उसकी प्रमुख विशेषताओं पर प्रकाश डालिए । १४

४ ' 'रोटी और संसद' काव्य में वर्तमान प्रशासन व्यवस्था पर करारा व्यंग्य किया गया है ।' – सोदाहरण समझाईए । १४

अथवा

४ 'एक चरित्र–प्रधान काव्य' की दृष्टि से 'मोचीराम' काव्य की समीक्षा कीजिए । १४

५ किन्हीं **दो** पर टिप्पणी लिखिए : १४

(१) 'जो बीत गई सो बात गई' काव्य का शीर्षक ।

(२) नागार्जुन की काव्य–भाषा ।

(३) शोषक वर्ग के प्रति कवि धूमिल का आक्रोश ।

(४) 'साँप' काव्य का व्यंग्यार्थ ।